दावों में सुपोषण, हकीकत में रस्म अदायगी

जिले में चल रहा एक कदम सुपोषण की ओर, इसके बाद भी दूर नहीं हो रहा गरीब बच्चों का कुपोषण

नवभारत न्यूज

सीहोर 21 मई. जिले में कुपोषण के खिलाफ चलाए जा रहे सरकारी अभियानों की चमकदार तस्वीरों और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा अंतर सामने आ रहा है. जिला अस्पताल में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से एक कदम सुपोषण की ओर अभियान के तहत कुपोषित बच्चों को पोषण टोकरियां वितरित की गईं. सरकारी फाइलों और प्रेस नोटों में यह आयोजन सफल बताया जा रहा है, लेकिन यदि जमीनी हालात और सरकार के ही पोषण ट्रैकर ऐप के आंकड़ों को देखा जाए तो यह पूरा अभियान केवल रस्मअदायगी और फोटो सेशन बनकर रह गया है.

सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक जिले में वर्तमान में 605 बच्चे गंभीर कुपोषण की श्रेणी में हैं, जिन्हें तत्काल पोषण और चिकित्सकीय देखभाल की जरूरत है. इसके बावजूद प्रशासन अस्पताल के बंद कमरों में चुनिंदा बच्चों को पोषण टोकरी बांटकर सुपोषण अभियान की सफलता का दावा कर रहा है.

सबसे बड़ा सवाल पोषण ट्रैकर ऐप की विश्वसनीयता को लेकर उठ रहा है. केंद्र सरकार के इस डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आंगनबाड़ी स्तर से बच्चों के वजन और ऊंचाई की एंट्री की जाती है. आरोप है कि कई स्थानों पर लक्ष्य पूरा करने के दबाव में आंकड़े वास्तविकता से अलग दर्ज किए जा रहे हैं. ऐप में जो बच्चे सामान्य या कम कुपोषित दिखाए जाते हैं, वही बच्चे जब जिला अस्पताल पहुंचते हैं तो वे गंभीर तीव्र कुपोषण (सेम) की स्थिति में पाए जाते हैं.

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पर एंट्री का दबाव

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पर पोषण ट्रैकर ऐप में शत-प्रतिशत एंट्री का दबाव बनाया जा रहा है, जबकि उन्हें न तो पर्याप्त तकनीकी संसाधन उपलब्ध हैं और न ही कई क्षेत्रों में इंटरनेट नेटवर्क की सुविधा. परिणामस्वरूप, कई बार जल्दबाजी में या लक्ष्य पूरा करने के लिए गलत आंकड़े अपलोड कर दिए जाते हैं. यही कारण है कि सरकारी रिकॉर्ड में सुपोषण दिखाई देता है, लेकिन जिला अस्पताल के पोषण पुनर्वास केंद्रों में आज भी कुपोषित बच्चों की संख्या कम नहीं हो रही.

नियमों के उल्लंघन पर 40 लाइसेंस निलंबित

सीहोर. कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुगम बनाने तथा सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से समीक्षा की गई. बैठक में एसपी श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना ने भी दिशा निर्देश दिए. कलेक्टरने निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जिले में चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर सुधारात्मक कार्यवाही लगातार जारी रखी जाए. इस दौरान बताया गया कि जिले में ब्लैक स्पॉट 09 से घटकर अब 07 हो गए हैं. बैठक में ओवर स्पीडिंग पर नियंत्रण को लेकर विशेष चर्चा की गई. कलेक्टर ने निर्देश दिए कि हाईवे के टोल नाकों के समीप स्पीड रडार गन के माध्यम से तेज गति से वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए.

भीषण गर्मी से जनजीवन प्रभावित

शहर के बाजारों में दिन भर रहता सन्नाटा

डॉक्टरों ने घर से नहीं निकलने की दी सलाह

नवभारत न्यूज,टीकमगढ।

पिछले 48 घंटों से तेज गर्मी और लू का असर बना हुआ है। बुधवार को जिले का अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रात करीब 10 बजे तक गर्म हवाएं चलती रहीं। गुरुवार सुबह भी तेज धूप के साथ गर्म हवा का असर देखने को मिला।

भू अभिलेख कार्यालय के अनुसार सोमवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। मंगलवार को अधिकतम तापमान बढ़कर 45.02 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान 29.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

लू लगने पर कराएं तुरंत उपचार

हीट स्ट्रोक सन स्ट्रोक शरीर की वह अवस्था है,जिसमें गर्मी के कारण शरीर का तापमान 40सी डिग्री सेल्सियस 104 .0 डिग्री फेरेनहाइट के पास पहुँच जाता है और मन में उलझन की स्थिति रहती है। यह स्थिति एकाएक आ सकती है या धीरे-धीरे। इस समस्या की जटिल अवस्था होने पर किडनी काम करना बन्द कर सकती है। लू लगने पर अगर तुरंत उपचार न मिले तो मृत्यु भी हो सकती है। इसलिये पर्याप्त मात्रा में पानी अवश्य पिये, छोटे बच्चों की कपड़े से ढंककर छाया बाले स्थान पर रखें। गर्मियों में पसीना अधिक आने के कारण शरीर की त्वचा पर भी असर होता है।

बुधवार को अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री और न्यूनतम 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।मौसम विभाग ने जिले में लू का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक गुरुवार को करीब 21 प्रतिशत आर्द्रता रहने और 21 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। आज अधिकतम तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

ब्लैक स्पॉट, जाम और भारी वाहनों से परेशानी

सड़क सुरक्षा बैठक में खुली व्यवस्थाओं की पोल

नवभारत न्यूज

विदिशा 21 मई, जिले में लगातार बिगड़ती यातायात व्यवस्था और बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के बीच गुरुवार को कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई.

बैठक में एक बार फिर शहर और हाईवे की अव्यवस्थाएं खुलकर सामने आईं. प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार डामोर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अधिकारियों ने माना कि जिले में कई स्थानों पर यातायात व्यवस्था गंभीर चुनौती बनी हुई है.

बैठक में सबसे बड़ी चिंता राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर घूम रहे मवेशियों को लेकर जताई गई. आए दिन हाईवे पर मवेशियों के कारण हादसे हो रहे हैं, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं निकल सका है. प्रशासन ने इस समस्या को गंभीर बताते हुए संबंधित विभागों को हाईवे किनारे ग्रामों में शासकीय भूमि चिन्हित कर पशु शेड निर्माण की कार्रवाई के निर्देश दिए हैं. हालांकि सवाल यह भी उठ रहा है कि पहले दिए गए निर्देशों पर अब तक कितनी कार्रवाई हुई. शहर में ऑटो और हाथ ठेला विक्रेताओं के कारण बढ़ती अव्यवस्था भी बैठक में चर्चा का प्रमुख विषय रही. विदिशा के प्रमुख चौराहों और तिराहोंपर ऑटो-रिक्शा स्टैंड के लिए स्थान चिन्हित करने की बात कही गई.

राशि भुगतान करने की मांग की गई

सागर. नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रांतीय महामंत्री एवं सागर संभाग के प्रभारी राजेश सिंह राजपूत ने निगमायुक्त राजकुमार खत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि नगर निगम के कर्मचारियों को सेवानिवृत्त होने पर अवकाश नगरीकरण की राशि का भुगतान किया जाए. उन्होंने म.प्र. सिविल सेवा अवकाश नियम 2025 का उल्लेख पत्र में किया है. निगमायुक्त को पत्र में लेख किया है कि नगर पालिक निगम में अवकाश नगदीकरण नियम 2025 प्रभावशील है परंतु सेवानिवृत्त एंव सेवा में रहते हुये मृत्यु होने पर बकाया अवकाश के नगदीकरण की गणना अवकाश नियम 2025 के प्रावधानों अनुसार नही की जा रही है.

अस्पताल में केयर यूनिट के हालात खुद 'क्रिटिकल'

दिव्यांग भाई को नहीं मिली व्हील चेयर, रैम्प पर फिसलने से बहन घायल

नवभारत न्यूज

गुना 21 मई का। जिला अस्पताल की नई बिल्डिंग में लाखों-करोड़ों रुपए खर्च कर तैयार की गई क्रिटिकल केयर यूनिट के हालात खुद क्रिटिकल (संवेदनशील) नजर आ रहे हैं। इस नवीन यूनिट को काफी शोर-शराबे और भारी प्रचार-प्रसार के साथ यह दावा करते हुए शुरू किया गया था कि यह आधुनिक सुविधाओं से पूरी तरह लैस है। लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है।

अस्पताल प्रबंधन की घोर लापरवाही और संवेदनहीनता के कारण आज एक बार फिर मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थिति यह है कि गंभीर और दिव्यांग मरीजों के लिए इस तथाकथित आधुनिक अस्पताल में एक व्हील चेयर तक नसीब नहीं हो पा रही है। दरअसल, बुधवार को जाट मोहल्ला निवासी रानी बैरागी अपने दिव्यांग भाई को इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर आई थी।

भाई की शारीरिक स्थिति को देखते हुए उसे व्हील चेयर की सख्त जरूरत थी। रानी जब उम्मीद लेकर क्रिटिकल केयर यूनिट में व्हील चेयर लेने पहुंची, तो वहां मौजूद स्टाफ ने संवेदनशीलता दिखाने के बजाय उसे पुरानी बिल्डिंग में जाकर खुद व्हील चेयर ढूंढने की सलाह दे दी।

अवैध खनन और परिवहन में लिप्त 03 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

गुना। जिले में खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ प्रशासन की सख्त कार्यवाही लगातार जारी है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देश पर खनिज विभाग की टीम ने गुरुवार को राघौगढ़ एवं मकसूदनगढ़ क्षेत्र में आकस्मिक निरीक्षण कर बड़ी कार्यवाही की। निरीक्षण के दौरान मकसूदनगढ़ क्षेत्र में गिट्टी से भरी 02 ट्रैक्टर-ट्रॉली और रेत का अवैध परिवहन करती 01 ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा गया। इन वाहनों को तत्काल जब्त कर थाना जंजाली, मकसूदनगढ़ और थाना जामनेर की अभिरक्षा में खड़ा कराया गया है। इस कार्यवाही में खनिज अधिकारी सचिन वर्मा, प्रभारी खनिज निरीक्षक विजय कुमार चक्रवर्ती, थाना प्रभारी उकावद सहित खनिज विभाग का अमला मौजूद रहा।

एक नजर में

ग्रामीणों ने सौंपे मांग पत्र

आष्टा. विधायक गोपालसिंह इंजीनियर के कार्यालय में जनसुनवाई में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं नागरिक पहुंचे. ग्राम मैना के ग्रामीणों ने गायत्री मंदिर एवं आसपास के रहवासियों को नल-जल योजना से कनेक्शन देने की मांग को लेकर विधायक को ज्ञापन सौंपा. इस दौरान पेयजल, सड़क, हैंडपंप, पेंशन, रोजगार, विद्युत ट्रांसफार्मर, धर्मशाला निर्माण, आर्थिक सहायता, नामांतरण, पानी के टैंकर, मुरमीकरण सहित विभिन्न समस्याओं से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए. विधायक इंजीनियर ने कहा कि तथा शासन स्तर की मांगों को शासन तक पहुंचाया जाएगा.

आईटीआई के प्रवेश की प्रक्रिया जारी

टीकमगढ़। श्रमोदय मॉडल आईटीआई भोपाल में नवीन सत्र हेतु प्रवेश प्रारंभ हो चुके हैं। तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार आधारित प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। संस्थान में 100 प्रतिशत जॉब गारंटी, प्लेसमेंट सहायता, नि:शुल्क छात्रावास सुविधा, नि:शुल्क यूनिफॉर्म, नि:शुल्क अध्ययन सामग्री, उद्योग आधारित तकनीकी प्रशिक्षण जैसी विशेष सुविधायें हैं। इस संस्थान में प्रवेश केवल मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत लाभार्थियों के पुत्र एवं पुत्रियों को ही मिलेगा। आईटीआई के विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश लेकर विद्यार्थी अपने उज्जवल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। प्रवेश, ट्रेड, पात्रता एवं अन्य जानकारी हेतु संस्थान के प्रशिक्षण अधिकारी 21 मई 2026 को विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के मार्गदर्शन हेतु कार्यालय श्रम पदाधिकारी संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन जिला टीकमगढ़ में उपलब्ध रहेंगे।

आंगनवाड़ी भर्ती की अंतिम सूची जारी

राजगढ़. जिले की महिला एवं बाल विकास परियोजना राजगढ़ द्वारा 23 आंगनवाड़ी केन्द्रों पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों के लिए जारी भर्ती प्रक्रिया में चयन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त आवेदनों के आधार पर अनंतिम सूची जारी कर दी गई है. परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि खंड स्तरीय चयन समिति की बैठक के उपरांत चयन पोर्टल पर गुरुवार 21 मई को अनंतिम सूची प्रकाशित की है. साथ ही जारी सूची के विरुद्ध आगामी 7 दिवस के भीतर दावा एवं आपत्ति प्रस्तुत कर सकेंगे. दावा-आपत्ति केवल एमपी ऑनलाइन के चयन पोर्टल पर ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार की जाएगी.

रेलवे ट्रैक की पास मिला अज्ञात युवक का शव

मुलताई। नागपुर रेल मंडल अंतर्गत मुलताई बैतूल रेल्वे स्टेशन की बीच ग्राम जौलखेड़ा के पास रेलवे ट्रैक पर बुधवार की सुबह साढ़े 6 बजे एक युवक का शव मिला है। टीआई नरेंद्र सिंह परिहार ने बताया बुधवार की सुबह जीआरपी ने पुलिस को सूचना दी कि जौलखेड़ा में रेलवे ट्रैक की पास अज्ञात 30 वर्षीय पुरुष का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने पर मुलताई पुलिस मौके पर पहुंची शव पंचनामा बनाकर शव को मरचूरी मे रखा हुआ है। शव की पास से कोई दस्तावेज नही मिलने से शव की पहचान नहीं हो पाई है। पहचान की लिए मृतक की फोटो आसपास के थानो एवं सोशल मीडिया पर दी गई है। पुलिस द्वारा मामले मे मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

चोरी के मामले में स्थाई वारंटी गिरफ्तार

गुना। गुना कोतवाली पुलिस ने चोरी के 7 साल पुराने मामले में फरार एक स्थाई वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार शर्मा ने बताया कि वर्ष 2019 में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी आरोपी राजेश (30) पुत्र हरिसिंह कुशवाह के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज हुआ था। न्यायालयीन कार्यवाही से लगातार फरार रहने के कारण माननीय न्यायालय गुना द्वारा उसके खिलाफ स्थाई वारंट जारी किया गया था। पुलिस टीम लगातार उसकी तलाश में जुटी थी। 21 मई को मुखबिर की सटीक सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने आरोपी राजेश कुशवाह को धर दबोचा और न्यायालय में पेश किया।

टक्कर के बाद दो टुकड़ों में बंटा ट्रैक्टर, 8 घायल

नवभारत न्यूज

जीरापुर 21 मई, सं. सुसनेर-जीरापुर मुख्य सड़क मार्ग पर गुरुवार दोपहर एक दिल दहला देने वाला भीषण सड़क हादसा सामने आया है. सेंदली जोड़ कालीसिंध नदी के पास एक अनियंत्रित और अत्यधिक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार ने पहले एक बाइक को जोरदार टक्कर मारी और फिर बेकाबू होकर सामने से आ रहे ट्रैक्टर में इतनी भयानक टक्कर मारी कि ट्रैक्टर के परखच्चे उड़ गए और वह दो टुकड़ों में बंट गया. इस भीषण दुर्घटना में दूल्हे सहित कुल 8 लोग घायल हुए हैं.

घायलों में दूल्हा और बाइक सवार दंपति शामिल

घटनास्थल पर मौजूद लोगों के अनुसार, इस दुर्घटना में कुल 8 लोग घायल हुए है जिसमें ट्रैक्टर चालक जसवंत पिता गंगाराम विश्वकर्मा निवासी ग्राम लोमड़ी (सुसनेर), इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हुआ है . उसे तत्काल सुसनेर सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए आगर रेफर कर दिया गया .

पुलिस और चश्मदीदों से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार की दोपहर जीरापुर की ओर से आ रही राजस्थान पासिंग कोटा जिला की एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए सेंदली जोड़ के पास सबसे पहले एक बाइक को टक्कर मार दी. इस टक्कर के बाद भी स्कॉर्पियो की रफ्तार इतनी तेज थी कि वह पूरी तरह बेकाबू हो गई और सुसनेर की ओर से आ रहे एक ट्रैक्टर में सामने से जा घुसी. भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि मजबूत ट्रैक्टर बीच से टूटकर दो हिस्सों में तब्दील हो गया. हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और भारी भीड़ जमा हो गई.

बाइक पर सवार पति-पत्नी दोनों घायल हुए हैं. बताया जा रहा है कि बाइक सवार युवक अपनी पत्नी को लेकर ससुराल मोड़ी जा रहा था, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया.

मासूम बेटी को गोद में लेकर टावर पर चढ़ा पिता

नवभारत न्यूज

सागर 21 मई. कैंट थाना क्षेत्र अंतर्गत पीली कोठी के पीछे टेकरी पर एक युवक अपनी पत्नी और ढाई साल की मासूम बेटी को लेकर करीब 800 फीट ऊंचे बीएसएनएल टावर पर चढ़ गया, बड़ी मशक्कत से उसे नीचे उतारा गया.

इस टावर पर परिवार को बैठे देखते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई. करीब चार घंटे से अधिक समय तक चले इस हाईवोल्टेज ड्रामे में पुलिस, प्रशासन और रेस्क्यू टीम परिवार को नीचे उतारने की कोशिश करती रही, लेकिन युवक अपनी मांगों पर अड़ा रहा. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सेना और एनडीआरएफ की मदद तक बुलानी पड़ी. नीचे सुरक्षा के लिए जाल बिछाने की तैयारी शुरू कर दी गई, ताकि किसी भी अनहोनी की स्थिति में जान बचाई जा सके. टावर पर चढ़े युवक की पहचान बलराम अहिरवार के रूप में हुई है. उसके साथ पत्नी कृष्णादेवी और ढाई साल की बेटी भी मौजूद रही. सबसे मार्मिक दृश्य वह था जब बलराम अपनी मासूम बच्ची को गोद में लेकर टावर के ऊपरी हिस्से में बैठा दिखाई दिया.

नीचे खड़े लोग सांस रोके इस दृश्य को देखते रहे. हर किसी के मन में एक ही डर था कि यदि जरा सी भी चूक हुई तो पूरा परिवार सैकड़ों फीट नीचे गिर सकता है. तेज गर्मी और ऊंचाई के बीच बच्ची की हालत को लेकर भी चिंता बनी रही.

जानकारी के अनुसार बलराम नीचे खड़े पुलिस अधिकारियों से चिल्लाकर कहता रहा— मेरे साथ अन्याय हुआ है, मुझे फंसाया गया हैज,पहले न्याय चाहिए. थाना प्रभारी को मौके पर बुलाया भी गया, लेकिन इसके बाद भी युवक शांत नहीं हुआ और टावर से उतरने से इनकार करता रहा. बलराम के भाई ने बताया कि घटना से पहले वह उससे मिला था, उस दौरान बलराम बेहद परेशान और मानसिक तनाव में था. उसने बताया था कि पुलिस ने उसे थाने में घंटों बैठाकर पीटा और जेल भेज दिया.

सरपंच पति की दबंगई का वीडियो वायरल

नवभारत न्यूज

मुंगावली। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसने राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मचा दिया है। बिल्हेरु पंचायत की महिला सरपंच के पति विशन दांगी अपने कुछ साथियों के साथ एक परिवार के घर और दुकान पर हंगामा करते नजर आ रहे हैं।

सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि विशन दांगी हाथ में डंडा लिए हुए हैं और बेहद आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। वह अपने समर्थकों के साथ पीड़ित परिवार के घर पहुंचे। वीडियो के अनुसार सरपंच पति ने न सिर्फ परिवार के लोगों के साथ कथित तौर पर गाली-गलौज की बल्कि वहां स्थित उनकी दुकान में रखे सामान पर डंडे बरसाने शुरू कर दिए। वीडियो में दुकान के सामान में तोड़फोड़ होती दिखाई दे रही है। जानकारी अनुसार इस अचानक हुए घटनाक्रम और अभद्र व्यवहार से पीड़ित परिवार बेहद डरा और सहमा हुआ है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि रसूख के चलते उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश की जा रही ह।

कृषि रथों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सीहोर. कृषि विभाग द्वारा किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत जिले के सभी जनपदों में 21 मई से आगामी दस दिनों के लिए कृषि रथ जिले में चलाए जा रहे हैं, विधायक सुदेश ने राय ने कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया.बुधनी में जनपद अध्यक्ष महेन्द्र शर्मा, आष्टा में विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर, इछावर में जनपद उपाध्यक्ष शंकर जायसवाल, भैरूंदा में निगम अध्यक्ष रवि मालवीय तथा विधायक रमाकांत भार्गव ने कृषि स्थों को हरी झंडी दिखाकर पंचायतों की ओर रवाना किया.

कोशिश रूफ फाल में दबी कंटीन्यूअस माइनर (सीएम), कोयला उत्पादन हुआ प्रभावित

200 करोड़ की मशीन खदान में हुई दफन, निकालने की कोशिश नाकाम

सारनी। तवा खदान एक में रुफ फाल होने से 200 करोड़ की मशीन जमीदोज हो गई है। खदान में फंसी मशीन को निकालने की सभी कोशिशे नाकाम साबित हो रही है। उक्त खदान में फंसी मशीन को निकालने में करीबन एक से दो माह का समय लग सकता है, मशीन फंसने से वेकोलि प्रबंधन को रोजाना करोड़ो का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

सूत्रों ने बताया कि कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी डब्ल्यूसीएल पाथाखेड़ा क्षेत्र में रूफ फाल में कंटीन्यूअस माइनर (सीएम) दबने की खबर ने वेकोलि में हड़कंप मचा दिया है। सूत्रो का कहना है कि तवा-1 खदान के डब्ल्यू-7 सीएम सेक्शन में करीब 10 से 12 मीटर रूफ फाल कंटीन्यूअस माइनर पर हुआ है। जिससे मशीन पूरी तरह दब गई है और यहां से कोयला उत्पादन शत प्रतिशत प्रभावित हुआ है। इस घटना के बाद से लगातार अधिकारियों का दौरा खदान में हो रहा है। गौरतलब है कि 6 मार्च 2025 को पाथाखेड़ा क्षेत्र की छतरपुर-1 खदान के सीएम सेक्शन में हुए रूफ फाल में अंडर मैनेजर, माइनिंग सरदार और ओवर को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना से पूरा कोल इंडिया कॉप उठा था। बावजूद इसके इस दुर्घटना से सबक लेने के बजाय बार-बार सुरक्षा नियमों की अनदेखी और अपने आपको भूमिगत खदान के विशेषज्ञ समझने की वजह से हादसे की पुनारावृत्ति हो रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तवा-1 भूमिगत खदान में सीएम मशीन का संचालन अरविंदों कंपनी द्वारा ठेके पर महेश्वरी कंपनी को दिया गया है और यह कंपनी सीएम मशीन से प्रतिदिन करीब 1000 से 1200 टन कोयला उत्पादन कर रही थी। तवा खदान मे अचानक हुए रूफ फाल में सीएम मशीन दब गई है। जिसके उपर से मलबा हटाने का कार्य जारी है जानकर सूत्रों का कहना है कि पाथाखेड़ा क्षेत्र की भूमिगत तवा-1 खदान में दो सेक्शन से कोयला उत्पादन होता है।

दबाव में कर रहे काम

खदान सूत्र बताते हैं कि सब एरिया मैनेजर अरूण शर्मा और मैनेजर उमेश दुबे का व्यवहार कोयला कामगारों के प्रति ठीक नहीं है। जिसके चलते कामगार दबाव में काम कर रहे हैं। यही वजह है कि बार-बार तवा-1 खदान में दुर्घटनाएं हो रही है। खदान प्रबंधन की लापरवाही की वजह से इस खदान में पानी भरने से लगभग दो माह तक कोयला उत्पादन प्रभावित रहा है। बावजूद इसके प्रबंधन ने अपनी कार्यप्रणाली में सुधार नहीं किया है। जिसके चलते लगातार कोल इंडियाल लिमिटेड को नुकसान हो रहा है।

ऋण प्रकरणों में देरी बर्दाश्त नहीं

राजगढ़ 21 मई, का. कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्ट्रे ट सभागार में जिला स्तरीय बैंकर्स एवं हितग्राहियों की संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया. बैठक में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक (एलडीएम) सहित विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक, संबंधित विभागों के अधिकारी एवं हितग्राही उपस्थित रहे. बैठक में कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने कहा कि शासन की स्वरोजगार एवं वित्तीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है. उन्होंने निर्देश दिए कि सभी हितग्राहियों को ऋण प्रकरणों से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों, प्रक्रिया एवं कोलेटरल सिक्योरिटी संबंधी जानकारी एक ही बार में स्पष्ट रूप से उपलब्ध कराई जाए.